इस्पात का उत्पादन

775. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों में देश में विभिन्न प्रकार के इस्पात के उत्पादन में कितनी वृद्धि हुई है और वर्तमान में देश में स्टेनलैस स्टील की मांग की तुलना में इसका उत्पादन कितना है ;

(ख) इस्पात के उत्पादन में उपलब्ध उत्पादन क्षमता का पूरा उपयोग न किये जाने के क्या कारण हैं ; और

(ग) भारत में उत्पादित इस्पात की तुलना में विदेशों में उत्पादित इस्पात के सस्ते और अच्छी क्वालिटी के होने के क्या कारण हैं ?

ऊर्जा मंत्री तथा इस्पात और खान मंत्री (श्री वसंत साठे) : (क) देश में तैयार इस्पात के उत्पादन में वर्ष 1983-84 के मुकाबले में वर्ष 1984-85 में 3 प्रतिशत, वर्ष 1984-85 के मुकाबले में वर्ष 1985-86 में 18 प्रतिशत और वर्ष 1985-86 के मुकाबले में वर्ष 1986-87 में 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्टेनलैस स्टील के उत्पादन और मांग के बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है और सदन-पटल पर रख दी जाएगी।

(ख) सरकारी क्षेत्र के इस्पात कारखानों में क्षमता के उपयोग में कमी के लिए उत्तरदायी कारणों में ये कारण सम्मिलित हैं—कच्चे माल की घटिया क्वालिटी, पुरानी प्रौद्योगिकी, पुराने उपस्कर, बिजली की सप्लाई में कमी और प्रबंधक-कर्मचारी संबंधों की समस्याएं। "सेल" के कारखानों में कार्य-संस्कृति और सामान्य उत्पादकता में सुधार करने के लिए प्रयास किये गये हैं।

(ग) अन्य देशों में उत्पादित इस्पात के देशीय मूल्य भारत में उत्पादकों के मूल्यों के तुलनीय हैं। भारतीय इस्पात के मूल्यों की अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों के साथ तुलना करना संभव नहीं है क्योंकि अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों को, अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में व्याप्त अत्यधिक प्रतिस्पर्द्धा में, निर्यात बढ़ाने के लिए रणनीति के रूप में प्रायः कम कर दिया जाता है। भारत में एकीकृत इस्पात कारखानों द्वारा सप्लाई किये जाने वाले इस्पात की क्वालिटी भारतीय मानक संस्थान द्वारा निर्धारित ग्रेडों के अनुरूप है।

राजभाषा के कार्यान्वयन में लापरवाही

776. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या **संसदीय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान हिन्दी सलाहकार समिति की कितनी बैठकें हुई हैं और राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष तथा सदस्यों द्वारा कितने प्रतिशत कार्य राजभाषा में किया गया ;

(ख) क्या यह सच है कि हिन्दी सलाहकार समिति तथा राजभाषा कार्यान्वयन समिति राजभाषा की उपेक्षा करते हैं और अन्य विभागों की हिन्दी सलाहकार समिति के गठन में जानबूझ कर विलम्ब करते हैं ;

(ग) क्या यह भी सच है कि यह मंत्रालय सभी विभागों की हिन्दी सलाहकार समितियों में संसद के आधा दर्जन सदस्यों को नाम-निर्देशित करने के लिये जिम्मेदार है ; और

(घ) क्या इस मंत्रालय ने 61 हिन्दी सलाहकार समितियों में से 29 में संसद सदस्यों को नाम-निर्देशित नहीं किया है और इस कारण अभी तक उनका गठन नहीं हो पाया है ?

संसदीय कार्य मंत्री तथा खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री एच०के०एल० भगत) : (क) संसदीय कार्य मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का पहली बार गठन 18-5-1984 को हुआ।